राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 04 | अंक – 33 | जौनपुर | सोमवार, 15 सितम्बर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी - पीएम मोदी

असम, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को असम के दरांग जिले में 18,530 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरा असम का पहला दौरा है। मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर बहुत बड़ी सफलता थी। आज मां कामाख्या की इस धरती पर आकर मुझे एक अलग ही पवित्र अनुभूति हो रही है और ये भी सोने पे सुहागा है कि आज इस क्षेत्र में जन्माष्टमी मनाई जा रही है। लाल किले से मैंने कहा था, मुझे चक्रधारी मोहन याद आए। मुझे श्री कृष्ण याद आए और मैंने भविष्य की सुरक्षा नीति में एक सुदर्शन चक्र का विचार लोगों के सामने रखा है। पीएम मोदी ने कहा, हम भारत रत्न सुधाकंठा भूपेन हजारिका का जन्मदिन पहले ही मना चुके हैं। एक दिन पहले मुझे उनके सम्मान में आयोजित एक बहुत बड़े कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर मिला। मुख्यमंत्री ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया, कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने–गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं। 1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद पंडित नेहरू ने जो कहा, उससे उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी नहीं भरे हैं। उन्होंने भूपेन हजारिका का जिक्र करते हुए कहा, मुझे कितनी ही गालियां दें, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं। लेकिन, जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। आप लोग मुझे बताएं कि क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा निर्णय सही है या गलत? क्या कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए किया गया अपमान सही है या गलत? उन्होंने आगे कहा, पूरा देश आज विकसित भारत के निर्माण के लिए एकजुट होकर आगे बढ़ रहा है, खासतौर पर हमारे जो नौजवान साथी हैं। उनके लिए विकसित भारत सपना भी है और संकल्प भी है। इस संकल्प की सिद्धि में हमारे नॉर्थ ईस्ट की बहुत बड़ी भूमिका है।

नेता निजी अहंकार त्याग बिहार में राजगन की जीत करें सुनिश्चित – नड्डा

बिहार, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव तैयारियों की संगठनात्मक समीक्षा करने पटना पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपनी पार्टी के नेताओं से अपील की कि वे व्यक्तिगत अहंकार को त्याग कर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत को सर्वोपरि रखें। राजकीय अतिथिशाला में नड्डा ने बिहार भाजपा के शीर्ष नेताओं, नीतीश सरकार में भाजपा कोटे के मंत्रियों और प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, विधानसभावार सम्मेलन आदि बिंदुओं पर चर्चा की। उन्होंने सामाजिक पकड़ मजबूत बनाने के साथ ही राजग के बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बनाने पर बल दिया। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बी एल संतोष, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, उपमुख्यमंत्री द्वय सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा, पूर्व भाजपा अध्यक्ष एवं स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, नित्यानंद राय चुनाव समिति एवं कोर ग्रुप के सचिव प्रेम रंजन पटेल तथा अन्य वरिष्ठ नेता सम्मिलित हुए। नड्डा ने विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का नया नामाकरण किया।

संक्षिप्त खबरें

मध्यप्रदेश सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध – मुख्यमंत्री मोहन यादव

मध्यप्रदेश, एजेंसी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि ओबीसी महासभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शाम को यादव से उनके आवास पर मुलाकात की और समुदाय की विभिन्न मांगों को सूचीबद्ध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि ओबीसी समुदाय के अधिकारों की रक्षा की जाएगी। विज्ञप्ति में उनके हवाले से कहा गया है,"केंद्र ने सभी समुदायों का बुनियादी डेटा तैयार करने के लिए जाति– आधारित जनगणना को मंजूरी दे दी है।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली को विकास परियोजनाओं का उपहार मिलेगा – मुख्यमंत्री गुप्ता

नई दिल्ली, एजेसी। दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 75वें जन्मदिन के मौके पर सेवा पखवाड़ा के तहत कई परियोजनाएं शुरू करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री अमित शाह 17 सितंबर को त्यागराज स्टेडियम में दिल्ली सरकार के एक कार्यक्रम के दौरान 15 परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे, जिनमें नए अस्पताल ब्लॉक, 101 आरोग्य मंदिर और 150 डायलिसिस केंद्र शामिल हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने मंत्रियों, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, भाजपा सांसदों और विधायकों के साथ सेवा पखवाड़ा की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से शुरू हो रहे 15 दिवसीय उत्सव के दौरान निवासियों को हर दिन एक नया उपहार मिलेगा। उन्होंने कहा, ये परियोजनाएं और कार्यक्रम दिल्ली के विकास को नयी गति और नयी ऊंचाइयां प्रदान करेंगे तथा शहर को विकसित दिल्ली बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रक्षा मंत्रालय में खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए नया ढांचा मंजूर – रक्षामंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना और रक्षा मंत्रालय की खरीद प्रक्रिया को आसान, त्वरित और पारदर्शी बनाने के लिए डिफेंस प्रोक्योरमेंट मैनुअल (डीपीएम) 2025 को मंजूरी दे दी है। यह मैनुअल खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने और आधुनिक युद्ध की जरूरतों के अनुरूप निर्णय लेने में तेजी लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। मंत्रालय ने बताया कि नया मैनुअल सुनिश्चित करेगा कि सशस्त्र बलों को आवश्यक संसाधन समय पर और उचित लागत पर मिलें, जिससे उनकी युद्ध तैयारियों पर कोई असर न पड़े। इसे लागू करने से रक्षा खरीद में पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। डीपीएम 2025 में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और मजबूत किया गया है और इसका उद्देश्य रक्षा उत्पादन और प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता (आत्मनिर्भर भारत) को बढ़ावा देना है। मंत्रालय का कहना है कि इसके तहत निजी कंपनियों, लघु और मध्यम उद्योगों, स्टार्ट–अप्स और अन्य घरेलू उद्योगों को सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलेगा, साथ ही परंपरागत रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भी इसमें शामिल रहेंगे। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि पिछले डीपीएम को 2009 में लागू किया गया था।

1985 बैच के आईएएस अमित खरे नियुक्त किए गए उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी। कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 1985 बैच के आईएएस व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी अमित खरे (सेवानिवृत्त) को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का सचिव नियुक्त किया है। अमित खरे झारखंड कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं। वह बिहार के कुख्यात चारा घोटाले का पर्दाफाश करने में अपनी भूमिका के लिए भी विशेष रूप से जाने जाते हैं। रविवार को अमित खरे की नियुक्ति को मंजूरी दी गई है। गौरतलब है कि सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार 12 सितंबर को भारत के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली है। उपराष्ट्रपति होने के नाते सीपी राधाकृष्णन राज्यसभा के सभापति भी हैं। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के सचिव अमित खरे की नियुक्ति, सचिव स्तर के पद और वेतनमान पर अनुबंध के आधार पर तीन वर्षों के लिए होगी। नियुक्ति की गणना कार्यभार संभालने की तिथि से होगी। खरे 12 अक्टूबर 2021 से प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री के सलाहकार के रूप में कार्यरत थे, जहां वे सामाजिक क्षेत्र से जुड़े मामलों को देखते थे। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों में कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। वह केंद्र में शिक्षा मंत्रालय में रहे हैं। उन्होंने उच्च शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस दौरान उन्होंने यूनेस्को, शिक्षा नीति, पुस्तक प्रोत्साहन और कॉपीराइट जैसे विषयों को संभाला। वहीं, वह झारखंड सरकार में भी रहे हैं। वह सचिव, एचआरडी, कुलपति, रांची विश्वविद्यालय, विकास आयुक्त एवं अपर मुख्य सचिव, वित्तद्द परियोजना विभाग के पद पर रह चुके हैं। विभिन्न विभागों में रहते हुए प्री–बजट परामर्श, परफॉर्मेंस बजटिंग, जेंडर बजटिंग, सेक्टोरल बजटिंग, वित्तीय समावेशन, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और विभिन्न केंद्रीय व राज्य योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे कई सुधार लागू किए। भारत सरकार में सचिव स्तर की भूमिकाएं निभाई हैं।

राहुल गांधी आज जाएंगे पंजाब, बाढ़ पीड़ितों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में बाढ़ से बिगड़े हालात के बीच स्थिति का जायजा लेने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को गुरदासपुर जिले का दौरा करेंगे। इस दौरान वह बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेंगे और पीड़ितों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी सोमवार को पंजाब के गुरदासपुर पहुंचेंगे, जहां वे बाढ़ से प्रभावित गांवों का दौरा करेंगे। इस दौरान वे स्थानीय लोगों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं को सुनेंगे। इस दौरान वे बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन भी करेंगे। राहुल गांधी का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से काफी अहम माना जा रहा है। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई अन्य बड़े नेता भी पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुके हैं। इन दौरों का मकसद नुकसान का जायजा लेना और प्रभावित लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए योजनाएं बनाना रहा है। राहुल गांधी का यह दौरा भी इसी दिशा में एक कदम माना जा रहा है। गौरतलब है कि पंजाब में आई भीषण बाढ़ ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। पहाड़ी राज्यों में तेज बारिश और नदियों के उफान से राज्य के 13 जिलों के 1,400 से अधिक गांव जलमग्न हो गए हैं। लाखों लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, वहीं लाखों हेक्टेयर फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंजाब का दौरा कर हालात का जायजा लिया था। उन्होंने हवाई सर्वेक्षण के बाद गुरदासपुर में समीक्षा बैठक की और 1,600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वित्तीय सहायता का ऐलान किया। यह राशि राज्य को पहले से उपलब्ध 12 हजार करोड़ रुपए के अतिरिक्त होगी। साथ ही उन्होंने एसडीआरएफ की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी करने और पीएम किसान सम्मान निधि के तहत राशि देने की घोषणा की। प्रदेश के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी कैबिनेट बैठक के बाद राहत पैकेज की घोषणा की। इसमें बाढ़ से नष्ट घरों के लिए 40 हजार रुपए मुआवजा (एसडीआरएफ की पूर्व राशि 6,800 रुपये से बढ़ाकर), मृत पशुओं के लिए 37,500 रुपए, किसानों को प्रति एकड़ 20 हजार रुपए और मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही खेतों में जमा रेत बेचने की छूट भी 15 नवंबर तक दी गई है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी 4 सितंबर को बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। उन्होंने घोषणा की थी कि आम आदमी पार्टी के सभी सांसद और विधायक अपना एक महीने का वेतन राहत कोष में दान करेंगे।

शीतकालीन सत्र में पेश हो सकता है बीमा संशोधन विधेयक – वित्त मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा है कि बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला बीमा संशोधन विधेयक संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में पेश किए जाने की संभावना है। जब उनसे पूछा गया कि क्या बीमा क्षेत्र में एफडीआई को और उदार बनाने वाला विधेयक आगामी शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किया जा सकता है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है। वित्त मंत्री ने इस साल के बजट भाषण में, नई पीढ़ी के वित्तीय क्षेत्र सुधारों के तहत बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा को मौजूदा के 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रस्ताव रखा था। यह बढ़ी हुई सीमा उन कंपनियों के लिए उपलब्ध होगी जो अपना पूरा प्रीमियम भारत में निवेश करती हैं।

बसपा में बड़ा फेरबदल, मायावती ने अशोक सिद्धार्थ को सौंपी अहम जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने पार्टी संगठन में व्यापक फेरबदल करते हुए अपने समधी और वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ को केंद्रीय कोऑर्डिनेटर नियुक्त कर उन्हें चार अहम राज्यों की जिम्मेदारी सौंपी है। हाल ही में पार्टी में वापसी करने वाले अशोक सिद्धार्थ अब छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और गुजरात में संगठन को मजबूत करेंगे। इससे पहले इन राज्यों की जिम्मेदारी रणधीर सिंह बेनीवाल के पास थी। अब बेनीवाल को सेक्टर–चार का कोऑर्डिनेटर बना दिया गया है, जिसकी जिम्मेदारी अभी तक डॉ. लालजी मेधांकर संभाल रहे थे। श्री मेधांकर को नए फेरबदल के तहत सेक्टर–पांच का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सेक्टर–छह अब पूर्व विधायक अतर सिंह राव संभालेंगे। यह जिम्मेदारी अब तक पूर्व विधायक धर्मवीर सिंह के पास थी।

सेक्टर–एक और सेक्टर–दो में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सेक्टर–एक पूर्व सांसद रामजी गौतम के पास रहेगा, जबकि सेक्टर–दो की जिम्मेदारी पूर्व सांसद राजाराम के पास बनी रहेगी। मायावती ने संगठनात्मक ढांचे को बेहतर बनाने के लिए देश को छह सेक्टरों में विभाजित किया है। हर सेक्टर में तीन से चार राज्यों को शामिल किया गया है। इन सेक्टरों के कार्यों की समीक्षा पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद करेंगे।

एथेनॉल के कारण ही जिंदा है चीनी उद्योग - गडकरी

मुंबई, एजेंसी। पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि भारत की चीनी उद्योग एथेनॉल की वजह से ही जिंदा बचा हुआ हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर एथेनॉल का विकल्प सामने नहीं आता तो गन्ना किसान और चीनी मिलें बड़ी मुश्किल में होतीं। गडकरी ने यह भी कहा कि खेती में नई तकनीकों को अपनाना जरूरी है ताकि किसानों को भविष्य में पानी और लागत से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। गडकरी ने महाराष्ट्र के विदर्भ और मराठवाड़ा में किसानों की आत्महत्या की मुख्य वजह पानी की कमी बताई। उन्होंने कहा कि अगर किसानों को पर्याप्त पानी मिलता तो उन्हें इतना बड़ा कदम नहीं उठाना पड़ता। इस मौके पर गडकरी ने नाम फाउंडेशन के काम की सराहना की। यह संस्था नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे के नेतृत्व में किसानों के बच्चों और जल संरक्षण के लिए काम करती है।

खेती में तकनीक की जरूरत

भाजपा नेता गडकरी ने जोर देकर कहा कि खेती में तकनीक को लाना अब अनिवार्य हो गया है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में कई प्रयोग पहले से ही शुरू हो चुके हैं। उनका मानना है कि नई तकनीकें ही किसानों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ा सकती हैं।

एथेनॉल से मिला सहारा

गडकरी ने कहा कि भारत हर साल करीब 22 लाख करोड़ रुपये का जीवाश्म ईंधन आयात करता है। एथेनॉल के इस्तेमाल से इस बोझ को कम किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि गन्ने की पैदावार और चीनी उत्पादन अधिक होने की वजह से चीनी उद्योग संकट में था, लेकिन एथेनॉल ने इसे संभाल लिया।

हाल ही में कांग्रेस ने गडकरी पर हितों के टकराव का आरोप लगाया था। कांग्रेस ने दावा किया कि गडकरी एथेनॉल उत्पादन को लेकर आक्रामक लॉबिंग कर रहे हैं क्योंकि उनके दोनों बेटे एथेनॉल बनाने वाली कंपनियों से जुड़े हैं। कांग्रेस ने कहा कि सरकार की नीति से इन कंपनियों को फायदा हुआ। हालांकि भाजपा ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस आम आदमी पार्टी की तरह सिर्फ झूठे दावे करती है, जिनके पास कोई सबूत नहीं होता।

सुप्रीम कोर्ट और ई20 पर विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक जनहित याचिका खारिज की थी, जिसमें 20 प्रतिशत एथेनॉल–मिश्रित पेट्रोल (ई20) को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि करोड़ों वाहन मालिकों को ऐसी ईंधन का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर बहस छिड़ी रही, जहां कई लोगों ने माइलेज 20 प्रतिशत तक घटने का दावा किया। गडकरी ने सोशल मीडिया पर चल रही बहस को पेड कैंपेन करार दिया। उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक रूप से उन्हें निशाना बनाने की कोशिश है।

संपादकीय

संविधान और कानून के रास्ते हिंदी की गाथा

हिंदी भाषा के विकास की गाथा निरंतर लिखी जा रही है। इसका उपयोग हर क्षेत्र में निरंतर किया जा रहा है। यह हमारी भाषा की उन्नति में मददगार सिद्ध हो रही है। आने वाले समय में हिंदी भाषा की और कितनी प्रगति होगी, इसको मापना आसान नहीं होगा। अन्य भाषाओं की स्वार्थगत नीतियों के कारण इसका आज हर तरफ विरोध किया जा रहा है। संविधान और कानून की सशक्त अभिव्यक्ति का मतलब क्या है? यह जानना बहुत ही जरूरी है। कानून की सशक्त अभिव्यक्ति का मतलब यही है कि संविधान और कानून आम जन की आवाज को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने और उनकी रक्षा करने का एक साधन होना चाहिए। इसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के समक्ष समानता और न्याय तक पहुंच जैसे कई अधिकार, दायित्व और कर्तव्य शामिल हैं। न्याय सत्यता की अभिव्यक्ति को व्यक्त करना तभी संभव है, जब हमारी हिंदी भाषा का सशक्त रूप से पूरी ईमानदारी के साथ संविधान और कानून की भाषा में उपयोग किया जाए। विगत कुछ वर्षों में संविधान की भाषा एवं कानूनी भाषा में हिंदी का बढ़–चढ़कर प्रयोग किया जा रहा है। यह स्वीकार योग्य कदम है। हिंदी भाषा के कुछ पहलुओं पर विचार किया जाए तो इसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता ही मातृभाषा की अभिव्यक्ति है। मातृभाषा हिंदी का प्रयोग देश का प्रत्येक नागरिक बिना किसी डर के या प्रतिबंध के अपनी अभिव्यक्ति के लिए कर सकता है। इसमें व्यक्ति अपने विचारों को मौलिक अथवा लिखित रूप में भी प्रकट कर सकता है। देश के सभी नागरिकों को न्याय पाने का एक सुनिश्चित अधिकार, दायित्व और कर्तव्य संविधान द्वारा दिया गया है। वह कानून के माध्यम से इसका उपयोग भी करता है। इसके पीछे हमारी मातृभाषा का ही प्रभाव है, जो संविधान के साथ कानून पर भी अपना अधिकार रखती है। हिंदी भाषा एक मजबूत और न्यायसंगत समाज के निर्माण के लिए आवश्यक है। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि संविधान और कानून नागरिकों की आवाज को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने और उनकी रक्षा करने का एक साधन है। यह सच है कि जीवन में प्रगति के लिए हिंदी भाषा का उपयोग करने से हमें सफलता मिलती है और इसका महत्व बढ़ाया जा रहा है। यह ऊर्जा से भरी हुई हमारी सोच है।

क्योंकि खून और पसीना एक साथ नहीं बहता...

ब्रजेश

भारत और पाकिस्तान की टीमें दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में एशिया कप 2025 में आमने–सामने होंगी। आतंकवाद के घावों की बड़ी शृंखला हमें यह सवाल पूछने पर मजबूर करती है कि क्या ऐसे मुकाबले क्षणिक मनोरंजन और व्यावसायिक लाभ से आगे कुछ काम आते हैं? 2025 का पहलगाम हमला, जहां पाकिस्तान–प्रशिक्षित आतंकवादियों ने 26 निर्दोष भारतीयों को मार डाला। क्या यह क्रिकेट मैच पीड़ितों के परिवारों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाएगी? क्या राष्ट्र की गरिमा और नागरिकों की सुरक्षा, मनोरंजन से पहले नहीं आती है? सोशल मीडिया हैश टैग अभियान जैसे ष्बयकाट एशिया कपष जनता के आक्रोश को प्रतिबिंबित करते हैं। क्रिकेट को कई बार "पीपुल–टू–पीपुल" कूटनीति बताकर रिश्ते सामान्य करने की कोशिश हुई, परन्तु पाकिस्तान के साथ 'क्रिकेट कूटनीति' का परिणाम शून्य या नकारात्मक ही रहा है। 1952 की पहली टेस्ट श्रृंखला से लेकर आईसीसी टूर्नामेंटों में उच्च दांव वाले मुकाबलों तक, ये खेल दोनों राष्ट्रों के बीच अस्थिर संबंधों का प्रतिबिंब ही रहे हैं। 1980 के दशक में क्रिकेट ने संक्षिप्त रूप से ष्कूटनीतिष के रूप में काम किया, जब 1987 विश्व कप जैसी श्रृंखलाएं दोनों राष्ट्रों द्वारा सह–मेजबानी की गईं। फिर भी, ये प्रयास क्षणभंगुर साबित हुए। 1990 के दशक में कश्मीर में बढ़ती उग्रवादिता देखी गई, जो पाकिस्तान की इंटर–सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) द्वारा प्रायोजित थी, जिसने लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) जैसे समूहों को हमेशा समर्थन दिया। 1999 के कारगिल युद्ध ने जहां पाकिस्तानी घुसपैठियों ने भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर लिया इस क्रिकेट कूटनीति और सॉफ्ट पॉवर को तार तार किया। मुंबई 2008 के हमलों ने न केवल द्विपक्षीय क्रिकेट को रोका बल्कि यह उजागर किया कि लश्कर–ए–तैयबा जैसे आतंकवादी समूह पाकिस्तानी संरक्षण के तहत ही काम करते हैं। 2019 के पुलवामा के बाद तो बीसीसीआई ने आईसीसी समुदाय से सार्वजनिक रूप से अपील की थी कि आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों से खेल सम्बन्ध तोड़े जाएं। 2006 में भारत की पाकिस्तान यात्रा या 2012–13 में पाकिस्तान की भारत यात्रा के बाद इन दोनों देशों का कोई पूर्ण द्विपक्षीय दौरा नहीं हुआ है। हाल ही में अप्रैल 2025 का कश्मीर पर्यटक हमला और मई 2025 के हमले ने तनाव बढ़ाया है, जिसमें भारत ने सिंधु जल संधि के तहत जल–साझाकरण निलंबित कर दिया और राजनयिक संबंधों को डाउनग्रेड किया है। दुनिया भर में खेल–बहिष्कार की वैधता का लंबा इतिहास रहा है। अपारथाइड–युग के दौरान, दक्षिण अफ्रीका पर एक व्यापक खेल बहिष्कार लागू किया गया था, ऐसे ही फरवरी 2022 में रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने रूस और बेलारूस पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसके कारण वे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अपनी राष्ट्रीय पहचान के साथ भाग नहीं ले सकते थे। इन मिसालों का सार यही है कि मानवाधिकार/अंतरराष्ट्रीय कानून/आतंकवाद से जुड़ी गम्भीर स्थितियों में खेल–बहिष्कार नैतिक रूप से वैध और रणनीतिक रूप से कारगर उपकरण होता है। अंतरराष्ट्रीय खेल शासन की यह स्वम् स्वीकारोक्ति है कि जब मूल्यों और सुरक्षा पर आक्रमण हो तो खेल को सामान्य नहीं रखा जा सकता। क्रिकेट बड़ा व्यवसाय है, इसके मीडिया–राइट्सध्ब्रॉडकास्ट वैल्यू अरबों डॉलर का इकोसिस्टम है। भारत–पाक मुकाबलों का व्यूअरशिप और विज्ञापन मूल्य बेहद ऊंचा होता है जो भारी दर्शक संख्या और विज्ञापन डॉलर आकर्षित करते हैं, जिसमें भारत बीसीसीआई के प्रसारण सौदों और प्रायोजन से वैश्विक राजस्व का 80–90: उत्पन्न करता है परन्तु यह अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को सब्सिडी और राजस्व भी देता है वास्तव में इस भागीदारी से, भारत अप्रत्यक्ष परन्तु प्रभावी रूप से एक शत्रु को धन देता है। पाकिस्तान की असली कमजोरी उसकी अर्थव्यवस्था है। उसके ऐसे सभी स्रोतों पर भारत को प्रहार करना चाहिए, जहां से उसे तनिक भी विदेशी मुद्रा मिलती है। राष्ट्रहित का अर्थशास्त्र यही बताता है कि यदि किसी आर्थिक गतिविधि की कमाई यदि आपकी सुरक्षाध कूटनीतिक स्थिति को कमजोर बनाये तो वह गतिविधि नेट–लॉस होती है। भारत–पाक क्रिकेट इस कसौटी पर सटीक बैठता है।

आतंक को रियायत के साथ क्रिकेट वास्तव में एक खेल नहीं बन सकता है। नैतिक रूप से, ऐसा बहिष्कार गरिमा बनाए रखता है, संदेश देता है कि 'मानवीय जीवन' मनोरंजन से ऊपर है। जब कोई देश संगठित हिंसाध्आतंक नेटवर्क को खत्म करने के बजाय दोहरे–मानदंड दिखाए, तब उसके साथ खेल का सामान्यीकरण उसे वैधता देता है। खेल केवल "मनोरंजन" नहीं वह नीति–संदेश है, यह बताता है कि कौन किसके साथ खड़ा है। क्रिकेट का बहिष्कार पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय रूप से अलग करने का अहिंसक तरीका है, याद रहे ष्ऑपरेशन सिंदूरष के समय पाकिस्तानी क्रिकेटरों ने भारतीय अभियानों का जमकर मजाक उड़ाया था, वास्तव में जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय रूप से सुधारकर, आतंकवाद–समर्थन से निर्णायक दूरी नहीं बनाता, तब तक भारत का क्रिकेट बहिष्कार केवल विकल्प ही नहीं, कर्तव्य है। 1990 के दशक में कश्मीर में बढ़ती उग्रवादिता, 1999 का कारगिल युद्ध, 2008 के मुंबई हमले, 2019 पुलवामा और 2025 पहलगाम जैसी घटनाओं ने यह भ्रम तोड़ दिया कि "मैदान की दोस्ती" सीमा–पार की हिंसा को पिघला देगी। भारत की सुरक्षा प्राथमिक है, क्रिकेट उसके बाद है। इन मैचों को जारी रखना भारत के राष्ट्रीय हितों को कमजोर करता है और उसके नागरिकों के बलिदानों का अपमान करता है और देश की उस भावना को कमजोर करता है जो हमेशा देश के किसी भी संकट में एक होता है। प्रधानमंत्री ने कहा था कि सिर्फ सीजफायर हुआ है और ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है, क्योंकि खून और पानी साथ नहीं बह सकते तो क्या अब ऑपरेशन सिंदूर खत्म कर दिया गया है क्योंकि क्या खून और पसीना एक साथ बह सकते हैं? एक नागरिक के रूप में, हमें बीसीसीआई और सरकार से जवाबदेही की मांग तो करनी ही चाहिए।

धब्बेदार झील के अनोखे नजारे

आदित्य

कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में स्थित स्पॉटेड लेक यानी 'धब्बेदार झील' दुनिया के सबसे अनोखे प्राकृतिक स्थलों में गिनी जाती है। गर्मी के मौसम में यह झील असंख्य रंग–बिरंगे गोल धब्बों में बंट जाती है, जिन्हें देखकर लगता है, मानो किसी ने पानी की सतह पर चित्रकारी कर दी हो। यही दृश्य इसे 'स्पॉटेड लेक' नाम देता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि इस झील में मैग्नीशियम सल्फेट, कैल्शियम और सोडियम सल्फेट जैसे खनिज अत्यधिक मात्रा में पाए जाते हैं। गर्मियों की धूप में पानी का वाष्पीकरण तेजी से होता है और सतह पर ये खनिज अलग–अलग आकार और रंग के धब्बे बनाते हैं। धब्बों का रंग पीला, नीला, हरा या सफेद हो सकता है, जो मौसम और खनिज की सांद्रता पर निर्भर करता है। यह झील न केवल वैज्ञानिकों के लिए, बल्कि आदिवासी ओकानागन जनजाति के लोगों के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस झील को उपचार और आध्यात्मिक शक्ति का केंद्र माना जाता है। पुराने समय में इस झील के पानी और मिट्टी का उपयोग औषधीय उपचारों में किया जाता था। जनजाति के बुजुर्ग आज भी इसे पवित्र स्थल मानकर इसकी रक्षा करते हैं। हालांकि पर्यटक इसके अनोखे नजारे को देखने के लिए यहां खिंचे चले आते हैं। अधिकांश लोग इसे सड़क किनारे बने दृश्य बिंदुओं से देखते हैं, ताकि इसकी पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक पवित्रता प्रभावित न हो। स्पॉटेड लेक हमें यह याद दिलाती है कि प्रकृति केवल सौंदर्य ही नहीं, बल्कि विज्ञान और आध्यात्मिकता का संगम भी है। यह झील कनाडा की धरोहर होने के साथ–साथ पूरे विश्व के लिए इस बात का प्रमाण है कि धरती की गोद में अब भी अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जिनको हम समझने की कोशिश कर रहे हैं।

.... विविध ....

चमत्कारों के लिए मशहूर हैं यूपी के ये प्राचीन देवी मंदिर, इस नवरात्रि दर्शन का बनाएं प्लान

उत्तर प्रदेश सिर्फ ऐतिहासिक इमारतों और सांस्कृतिक विरासत के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी आस्था और चमत्कारी शक्तियों वाले देवी मंदिरों के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां हर जिले में कोई न कोई ऐसा देवी स्थान है, जहां दूर–दराज से भक्त केवल दर्शन के लिए नहीं, बल्कि अपने मनोकामना पूर्ति की आशा लेकर आते हैं। कहते हैं कि इन मंदिरों में माता रानी स्वयं विराजती हैं, और जो भी भक्त सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी हर मुराद जरूर पूरी होती है। इन मंदिरों से जुड़ी कहानियां, मान्यताएं और चमत्कार आज भी लोगों की श्रद्धा को गहराई से छूते हैं। इस लेख में हम आपको उत्तर प्रदेश के कुछ उन प्राचीन और चमत्कारी देवी मंदिरों के बारे में बताएंगे, जो नवरात्रि और अन्य पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं से भर जाते हैं।

विंध्यवासिनी देवी मंदिर

ये मंदिर विंध्याचल, मिर्जापुर में स्थित है, जो कि वाराणसी से तकरीबन 70 किलोमीटर दूर हैं। मान्यता है कि ये मंदिर भारत के 51 शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि राक्षस महिसासुर का वध करने के बाद देवी ने विंध्याचल के पर्वत पर निवास किया था। वैसे तो इस मंदिर में सालभर भीड़ रहती है, लेकिन नवरात्रि के मौके पर माता रानी की भक्तों की भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है इस मंदिर का अस्तित्व सृष्टि के बाद भी रहेगा। कहा जाता है कि यहां आने वाला हर भक्त अपने जीवन के किसी न किसी संकट से छुटकारा पाकर जाता है। यही वजह से है यहां लोग अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हैं।

शाकंभरी देवी मंदिर

ये मंदिर सहारनपुर जनपद मुख्यालय से 45 किलोमीटर दूर शिवालिक पर्वत श्रृंखला में स्थित है। इस मंदिर की गिनती देश के 51 पवित्र शक्तिपीठों में की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ये भी है इस सिद्धपीठ में मत्था टेकने से प्राणी सर्व सुख संपन्न हो जाता है। मां शाकंभरी को अन्नपूर्णा का अवतार माना जाता है, क्योंकि एक समय जब राक्षसों के घोर पाप के कारण सृष्टि पर अकाल पड़ गया था, ठीक उसी समय सभी देवताओं ने मिलकर मां जगदंबा की आराधना की थी। इससे प्रसन्न होकर मां भगवती प्रकट हुई और उन्होंने अपनी माया का चमत्कार दिखाते हुए अकाल ग्रस्त पृथ्वी लोक से भूख और प्यास के प्रकोप को दूर कर दिया। कहा जाता है कि माता के दर्शन मात्र से दरिद्रता, रोग और दुख दूर हो जाते हैं। भक्त अपने जीवन में शांति और सुख की प्राप्ति के लिए यहां आते हैं।

देवीपाटन मंदिर

ये मंदिर बलरामपुर में जिले में स्थित है, जोकि सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मान्यता है कि इस शक्तिपीठ में माता सती का वाम स्कंध के साथ पट गिरा था। इसलिए इस स्थान को पाटन कहा गया। यहां माता मातेश्वरी स्वरूप की पूजा होती है। इस मंदिर में एक अखंड धूनी जलती रहती है, जो त्रेता युग से लगातार जल रही है। ये इस स्थान की दिव्यता और प्राचीनता का प्रतीक मानी जाती है। ऐसे में नवरात्रि के मौके पर आसपास के जिलों के साथ–साथ दूर–दूर से भक्त देवीपाटन मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मां तरकुलहा मंदिर

गोरखपुर जिल में स्थित ये मंदिर स्थानीय श्रद्धालुओं के बीच अत्यंत लोकप्रिय है। ये मंदिर खासतौर पर शक्ति और मां दुर्गा के भक्तों के लिए आस्था का केंद्र है। मां तरकुलहा देवी को शक्ति का अवतार माना जाता है। ये मंदिर प्राचीन काल से यहां स्थित है और स्थानीय लोगों की मन्नतें पूरी करने के लिए जाना जाता है। मान्यता है कि यहां माता की प्रतिमा स्वयंभू है, यानी धरती से स्वयं प्रकट हुई है। मां तरकुलहा मंदिर में श्रद्धालु जो भी मनोकामना लेकर आते हैं, वे पूरी होती हैं। खासकर संतान सुख, परिवार की खुशहाली और आर्थिक समृद्धि के लिए यहां विशेष रूप से पूजा की जाती है। नवरात्रि के दौरान भक्तों की भीड़ मंदिर में बढ़ जाती है और कई लोग लंबे समय तक नौ दिन का व्रत भी रखते हैं।

नवरात्रि पर नौ दिनों के लिए बना कर स्टोर कर लें ये फलाहारी स्नैक्स

अगर आप भी नवरात्रि में पूरे नौ दिन व्रत रखती हैं, तो ये लेख आपके काम का है। दरअसल, व्रत के दौरान दिनभर खाली पेट रहना थोड़ा थका देने वाला हो सकता है, खासकर जब हल्की–फुल्की भूख अचानक लग जाए और आपके पास तुरंत खाने के लिए कुछ न हो। ऐसे में पहले से तैयार फलाहारी स्नैक्स न सिर्फ समय बचाते हैं, बल्कि आपके एनर्जी लेवल को भी बनाए रखते हैं। इन स्नैक्स को आप घर पर आसानी से कुछ ही चीजों से बना सकती हैं और इन्हें एयरटाइट डिब्बों में स्टोर करके 8–9 दिन तक इस्तेमाल किया जा सकता है। इस लेख में हम आपके साथ शेयर कर रहे हैं तीन ऐसे टेस्टी और हेल्दी फलाहारी स्नैक्स की रेसिपी, जिन्हें बनाना आसान है और जो व्रत में ऊर्जा भी देते हैं।

1. मखाना नमकीन बनाने का सामान

2 कप मखाना
मूंगफली
1 चम्मच घी
सेंधा नमक स्वादानुसार
चम्मच काली मिर्च पाउडर

मखाना नमकीन बनाने की विधि

इस नमकीन को बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो कढ़ाई में घी गर्म करें। अब उसमें मखाना डालकर धीमी आंच पर 6–8 मिनट तक क्रिस्पी होने तक भूनें। जब ये कुरकुरे हो जाएं तो इसी कढ़ाई में थोड़ा सा घी और डालकर उसमें मूंगफली डालें। मूंगफली को भी क्रिस्पी होने तक भूनें। जब ये दोनों चीजें अच्छे से भुन जाएं तो अब उसमें सेंधा नमक, काली मिर्च डालें। अच्छे से मिलाएं और ठंडा होने पर एयरटाइट डिब्बे में भर लें।

2. केले के चिप्स बनाने का सामान

कच्चे केले
सेंधा नमक स्वादानुसार
1 चम्मच घी या मूंगफली तेल
काली मिर्च

2. केले के चिप्स बनाने की विधि

कच्चे केले के चिप्स बनाना बेहद काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले कच्चे केलों को अच्छी तरह से धोकर साफ कर लें। अब इन्हें छीलकर पतले स्लाइस में काट लें। ध्यान रखें कि इन चिप्स को एकदम महीन नहीं काटना है। थोड़ा मोटे होंगे तो इनका स्वाद ज्यादा अच्छा लगेगा। अब एक कढ़ाई में मूंगफली का तेल डालें और गर्म करें। इसी कढ़ाई में एक चम्मच सेंधा नमक का पानी डालें, इससे तलते समय ही चिप्स में नमक का स्वाद आने लगेगा।

नमक का पानी डालने के बाद कढ़ाई में केले के चिप्स डालें और सुनहरा होने तक उन्हें तलें। सुनहरा होने के बाद इसे निकालकर थोड़ा सा नमक और काली मिर्च उसमें डालें और मिक्स करें। बस ये तैयार हैं। ये एयरटाइट डिब्बे में 10 दिन तक क्रिस्पी रहते है।

डॉक्टर ने बताया चिया सीड्स और दही के सेवन का सही तरीका, एसिडिटी और कब्ज के लिए है रामबाण

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में, पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी और गैस एक आम बात हो गई है। लोग अक्सर इन समस्याओं से राहत पाने के लिए तुरंत दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे किचन में मौजूद कुछ साधारण चीजें भी इन बीमारियों का श्रामबाणश इलाज हो सकती हैं?

आयुर्वेद और पोषण विशेषज्ञ हमेशा से इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सही खान–पान और सही समय पर आहार लेने से कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसी कड़ी में हाल ही में एक डॉक्टर ने एक खास नुस्खा साझा किया है, जो पेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में जादुई काम कर सकता है। डॉ. शालिनी सिंह सालुंके ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो के माध्यम से इस सरल और प्रभावी उपाय के बारे में जानकारी दी है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए। डॉ. शालिनी के अनुसार, रात भर भिगोए हुए चिया सीड्स को ताजे दही के साथ मिलाकर खाना पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें स्वाद और गुणों को बढ़ाने के लिए एक चुटकी काला नमक और भुना हुआ जीरा मिलाया जा सकता है। डॉक्टर इसे मिड–मॉर्निंग या शाम के स्नैक के तौर पर खाने की सलाह देती हैं। इसका नियमित सेवन करने से पेट में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या में वृद्धि होती है, जिससे आंतों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह विशेष रूप से कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है। इसके अलावा यह एसिडिटी की समस्या को भी दूर करने में मदद कर सकता है। दही एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक है, जो पाचन तंत्र को शांत करता है, जबकि चिया सीड्स में फाइबर होता है, जो पेट को स्वस्थ रखता है। यह नुस्खा सिर्फ पेट के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। डॉ. शालिनी के मुताबिक, चिया सीड्स और दही का यह मिश्रण पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों जैसे विटामिन और मिनरल्स को बेहतर ढंग से अवशोषित कर पाता है। जब आपका पाचन तंत्र स्वस्थ होता है, तो यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को सुधारता है, जिससे आप अधिक ऊर्जावान और स्वस्थ महसूस करते हैं।

10 वर्षों में आंदोलन करने वाले किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। अपना मोर्चा की ओर से हजरतगंज स्थित प्रेस क्लब में हुई प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय संयोजक चौधरी बृजेंद्र सिंह पटेल ने प्रदेश सरकार से पिछले दस सालों में किसान आंदोलन के दौरान किसानों पर हुए मुकदमों को वापस लेने की मांग की। कहा कि भूमि अधिग्रहण के दौरान अलग–अलग जिलों में प्रशासन की मनमानी की वजह से ऐसी स्थितियां पैदा हुई थीं कि किसानों को आंदोलन करना पड़ा था। सीएम योगी से मांग करते हुए बृजेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि चूंकि सरकार ने दर्जनों आपराधिक मामले वापस लिए हैं, इसलिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में आयोग गठित कर किसानों पर दर्ज मुकदमे भी वापस लिए जाएं। बताया कि सोनभद्र में कनहर बांध परियोजना के विस्थापितों पर एसडीएम ने लाठीचार्ज कराया। 2014 में 75 लोगों पर मुकदमा हुआ। आश्वासन देने के बाद भी मुकदमा वापस नहीं लिया गया। प्रयागराज में 2011 में कचरी पावर प्लांट के लिए 200 नामजद और 600 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज हुआ था। सपा और भाजपा दोनों सरकारों ने भरोसा देने के बाद भी मुकदमा नहीं हटाया। हमीरपुर, उन्नाव में भी 500 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं। जिन परियोजनाओं के लिए जमीन ली गई, वह भी अधूरी पड़ी है। जमीन की कीमत भी 25 गुना से ज्यादा हो गई है। इस दौरान हेमंत चौधरी, बौद्ध अरविंद पटेल, बच्चा सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

बिजली चोरी करने पर नगर निगम पर लगेगा सात लाख का जुर्माना

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर के शहीद पथ स्थित विनीतखंड छह में चोरी की बिजली से आधुनिक कूड़ा घर परिसर का संचालन करने के लिए नगर निगम को अनुमानित सात लाख रुपये का जुर्माना चुकाना होगा। नगर निगम को सोमवार को यह इसका बिल भी सौंप दिया जाएगा। गोमतीनगर के चेकिंग दस्ते ने बीते मंगलवार शाम औचक चेकिंग के दौरान पूरे परिसर व मशीनों में 13 किलोवाट लोड पर बिजली चोरी पकड़ी थी। इसके लिए नगर निगम के सहायक अभियंता आरपी जोशी के खिलाफ बिजली थाने में केस भी दर्ज हुआ है। टीम ने चेकिंग रिपोर्ट खंडीय अभियंता को सौंप दी है। एक अफसर ने बताया कि कूड़ा घर का कनेक्शन 4.50 लाख रुपये के बकाये पर जनवरी में काटा जा चुका था। अंदेशा है कि कनेक्शन कटने के बाद ही बिजली चोरी शुरू हुई होगी। इसी आधार पर कनेक्शन कटने की तारीख से बिजली चोरी के जुर्माने की गणना की जा रही है, जो छह से सात माह की होगी। फौरी गणना में सात लाख रुपये तक का जुर्माना बन रहा है।अफसरों ने बताया कि नगर निगम को कनेक्शन जुड़वाने के लिए बिजली चोरी के सात लाख और बाकी बिल के 4.50 लाख रुपये जमा करने होंगे।

होम्योपैथी दवाओं से शरीर की गांठ का सटीक इलाज संभव

लखनऊ, संवाददाता। होम्योपैथिक दवा से पेट की गांठ ही नहीं, शरीर की दूसरी गांठों को भी ठीक किया जा सकता है। अधिकतर गांठों को दो से तीन माह में ही होम्योपैथिक दवा और बताए गए परहेज से ठीक किया जा सकता हैं। अब मरीजों को गांठ का ऑपरेशन कराने की जरूरत तक नहीं है। लिम्फ नोट्स और गिल्टियों को सही करने के साथ भूख न लगने और बुखार की समस्या भी ठीक की जा रही है। ये जानकारी डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने दी। वह रविवार को केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में हैनीमैन एजूकेशनल एंड डेवलपमेंट सोसायटी की ओर से चल रही दो दिवसीय होमकॉन–2025 कांफ्रेंस के समापन में मौजूद रहे। समापन सत्र में मुख्य अतिथि पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी, सत्र के अध्यक्ष एमएलसी अनूप कुमार गुप्ता, सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. शिवली मजहर, सचिव डॉ. आशीष वर्मा, विशिष्ट अतिथि महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या, डॉ. ब्रजेश कुमार गुप्ता, डॉ. पीयूष शुक्ला ने दीप प्रज्ज्वलन किया।

डॉ. अम्मार ने प्रदेश सरकार से होम्योपैथिक का व्यापक विकास करने की अपील की। डॉ. आशीष वर्मा ने होम्योपैथ में ऑटिज्म और डॉक्टर बत्रा अकादमी के डॉ. समीर चोकर ने मरीजों के इलाज संबंधी अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की और ऑटिज्म के होम्योपैथिक इलाज की जानकारी दी। डॉ. अविनाश श्रीवास्तव ने पेट में होने वाली गांठ पर शोध प्रस्तुत किया। डॉ. अविनाश ने बताया कि उन्होंने पेट में गांठ की समस्या लेकर आने वाले मरीजों का होम्योपैथिक इलाज किया।

ज्यादातर मरीजों की पेट की गांठ दवाओं और परहेजी भोजन से दो से तीन माह में दूर हो गई।

मुंबई के डॉ. फारूक जे. मास्टर, डॉ. एमएस बिंद्रा ने कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर के इलाज पर शोध पेश किया। ग्रीस से आए डॉ. कोस्टास ने साइको न्यूरोटिक डिसऑर्डर पर अपना शोध प्रस्तुत किया।

डॉ. अरविंद मेहता व डॉ. आरके सिंह ने बांझपन में होम्योपैथिक इलाज की सफलता के बारे में बताया।

सड़क पर खड़े ट्रैक्टर को हटाया, बैरिकेडिंग अब भी नहीं की

लखनऊ, संवाददाता। काकोरी में जिस जगह गत बृहस्पतिवार को बस पलटने से पांच लोगों की जान गई थी, वहां राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और कार्यदायी संस्था अब भी लापरवाह बने हुए हैं। हादसे के चार दिन बाद तक वहां न तो सुरक्षित बैरिकेडिंग की गई और न ही चेतावनी के इंतजाम। मानो अगली दुर्घटना का इंतजार हो। हालांकि, रविवार दोपहर करीब एक बजे संस्था के कर्मचारियों ने डिवाइडर के पास खड़े ट्रैक्टर को हटा दिया, जो हादसे वाले दिन से वहीं खड़ा था। अमर उजाला ने रविवार को ही खुलासा किया था कि घटना स्थल पर ट्रैक्टर बीच सड़क पर खड़ा है, जिससे गुजरने वाले वाहनों को खतरा बना हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि जिस जगह से बस खाई में गिरी थी, वहां लगाए गए ट्रैफिक कोन और रिबन अब अस्त–व्यस्त पड़े हैं। यानी हादसे से सबक लेने के बजाय लापरवाही उसी तरह जारी है।

मजदूर के परिवार को दो लाख की मदद

काकोरी हादसे में जान गंवाने वाले बुधड़िया गांव निवासी दिलशाद के परिवार को सरकार की ओर से आर्थिक मदद दी गई। मलिहाबाद विधायक जय देवी कौशल ने रविवार को मृतक की मां साजिदा को दो लाख रुपये का चेक सौंपा। इस मौके पर लेखपाल, पूर्व प्रधान दिनेश विश्वकर्मा और सूरज कश्यप समेत कई लोग मौजूद रहे।

सड़कों के गड्ढे भरने के लिए नगर निगम में और बढ़ेगी बजट की किल्लत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी की सड़कों के गड्ढे भरने के लिए नगर निगम के पास बजट पहले से ही कम है। जरूरत 40 से 50 करोड़ की है और हाथ में महज 10 करोड़। ऊपर से निगम की कार्यकारिणी ने गुपचुप तरीके से ई टेंडर की जगह मैनुअल टेंडर की व्यवस्था लागू कर दी है। अब सवाल ये है कि जब ई टेंडर से हर बार 15 से 26 प्रतिशत तक की बचत होती थी, तो आखिर मैनुअल सिस्टम क्यों लाया गया? लेकिन अब मैनुअल टेंडर में न तो प्रतिस्पर्धा होगी और न ही बचत। ज्यादातर ठेकेदार एस्टीमेट रेट पर

महिला के शव के लिए मार्चुरी पर पिता और पति भिड़े, गृह कलह के कारण ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

लखनऊ, संवाददाता। सैरपुर थाने के सामने रेलवे क्रासिंग पर शनिवार की रात साढ़े सात बजे प्रिया सिंह (28) ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर लिया था। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव को परिजनों के हवाले कर दिया। रविवार को यहां पर मृतका के पति शैलेन्द्र सिंह और पिता संजय सिंह के बीच शव ले जाने को लेकर भिड़ंत हो गई। दोनों ही प्रिया सिंह के अंतिम संस्कार का दावा करने लगे। इसके बाद पुलिस ने हस्तक्षेप किया। थाना प्रभारी सैरपुर मनोज कुमार कोरी ने बताया कि उन्नाव निवासी मृतका प्रिया के पिता संजय सिंह की शिकायत पर पुलिस मड़ियांव श्रीनगर कालोनी निवासी पति शैलेन्द्र सिंह व चार परिजनों के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। घटना को लेकर उन्होंने बताया कि लगभग नौ साल पहले मड़ियांव श्रीनगर निवासी शैलेन्द्र सिंह की शादी उन्नाव निवासी संजय सिंह की बेटी प्रिया सिंह के साथ हुई थी।

संक्षिप्त खबरें

12 विद्यालयों में एमडीएम की खराब प्रगति पर भेजा नोटिस

भदोही, संवाददाता। जिले के छह ब्लॉकों में 12 परिषदीय विद्यालयों में एमडीएम खराब और बच्चों की उपस्थिति कम पाई गई है। इन स्कूलों को नोटिस दिया गया। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में बी ग्रेड प्रदर्शित होने पर प्रधानाध्यापकों को नोटिस जारी कर बीईओ को चेतावनी दी गई। शनिवार को विकास भवन में आयोजित बैठक में सीडीओ बाल गोविंद शुक्ला ने सभी को निर्देश दिए। बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को बेहतर सुविधाएं देने का प्रयास किया जा रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान छह ब्लॉक के 12 विद्यालयों की प्रगति ठीक नहीं पाई गई। इसमें अभोली ब्लॉक में प्राथमिक विद्यालय मसूधी और सरायरूददी, ज्ञानपुर में प्राथमिक विद्यालय चकगणेशा, उमरिया, औराई में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज जगरनाथपुर, उच्च प्राथमिक विद्यालय रैपुरी, भदोही में प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय परगासपुर, डीघ ब्लॉक में उच्च प्राथमिक विद्यालय मझगवां, प्राथमिक विद्यालय खोरावीर, सुरियावां में प्राथमिक विद्यालय बहुता एवं निदिउरा शामिल हैं।

ड्रोन से उर्वरक के छिड़काव की दी जानकारी

भदोही, संवाददाता। डीघ ब्लॉक के सागररायपुर में रविवार को नैनो उर्वरक जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें किसानों को नैनो यूरिया, डीएपी के फायदे एवं प्रयोग की विधि बताई गई। ड्रोन से खेतों में उर्वरक का छिड़काव कर दिखाया गया। मुख्य अतिथि क्रय–विक्रय केंद्र गोपीगंज के निदेशक एवं इफको डेलीगेट विजय बहादुर सिंह ने कहा कि नैनो यूरिया और डीएपी का प्रयोग करने से किसान फायदे में रहेंगे।उन्होंने कहा कि यह सस्ता होने के साथ ही मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहेगी। क्षेत्रीय अधिकारी इफको विमल कुमार जायसवाल ने कहा कि नैनो डीएपी को पांच मिली लीटर प्रति किलो की दर से बीज शोधन करना चाहिए। इसी तरह पांच मिली लीटर प्रति लीटर से जड़शोधन करें। जब फसल में पत्तियां आ जाए तो नैनो यूरिया प्लस या नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का एक साथ चार एमएल प्रति लीटर का घोल बनाकर छिड़काव करें।

सरकार ने बेरोजगारी, महंगाई में देश को झोंका – अजय राय

भदोही, संवाददाता। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश और प्रदेश को बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार की आग में झोंक दिया है। जनता आज बदलाव चाहती है और कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है जो जनता को न्याय दिला सकती है। वह बृहस्पतिवार की रात मछलीशहर स्थित चुंगी चौराहे पर आयोजित स्वागत समारोह में बोल रहे थे। प्रदेश सचिव पंकज सोनकर ने कहा कि अजय राय के स्वागत में भीड़ इस बात का प्रतीक है कि जनता अब कांग्रेस की ओर उम्मीद की नजर से देख रही है। जिलाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी ताकत से मैदान में डटे हैं और आने वाले चुनाव में भाजपा की तानाशाही नीतियों को हर हाल में उखाड़ फेंकेंगे।

संक्षिप्त खबरें

त्योहार मनाएं, न करें नियमों की अनदेखी

भदोही, संवाददाता। पुलिस उपाधीक्षक अशोक मिश्र ने रविवार को कोतवाली में आगामी नवरात्र, विजय दशमी, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को डीजे संचालकों के साथ बैठक की। सीओ ने डीजे संचालकों को न्यायालय के निर्देशों के अनुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक डीजे न बजाने के नियमों का पालन करने का निर्देश दिया। चेताया कि 65 डेसिबल से ज्यादा साउंड पर किसी भी हाल में न बजाएं, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विभिन्न पूजा समितियों के साथ–साथ डीजे संचालकों से अपील की कि त्योहार पर गाना बजाना खूब करें, लेकिन साउंड बाक्स बजाने में नियमों का पालन करें। कहा कि डीजे की आवाज से किसी वृद्ध, हृदय रोगी, अथवा आबोध बच्चों को कोई दिक्कत ना हो। बताया कि बीते दिनों ईद मिलादुन्नबी और गणेश चतुर्थी के अवसर पर आठ डीजे सीज भी किए गए। वहीं आठ लोगों पर दो अलग–अलग मुकदमे भी दर्ज किए गए। अगर नियमों की अवहेलना की गई तो कार्रवाई की जाएगी।

तांबे के लोटे को रेडियम का बताकर लाखों ठगने वाले तीन गिरफ्तार

भदोही, संवाददाता। कोतवाली पुलिस ने रविवार को लोगों को ठगने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया। ठग खुद को रेडियम पॉवर (आरपी) कंपनी में वैज्ञानिक बताकर तांबे के लोटा को रेडियम पॉवर का बताकर महाराष्ट्र के संघर्ष नगर चांदवली अंधेरी ईस्ट, थाना साकी नाका, कुर्ला निवासी नामदेव दत्तू गुरव से दो लाख ठग लिए। पुलिस ने ठगों को नगर के ग्लोरी होटल के दो कमरों से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों में एक महिला भी शामिल है। महाराष्ट्र के संघर्ष नगर चांदवली अंधेरी ईस्ट, थाना साकी नाका, कुर्ला निवासी नामदेव दत्तू गुरव ने रविवार को भदोही कोतवाली पहुंचे। उन्होंने पुलिस को बताया कि अब्दुल अदालत शेख निवासी तेन्दुई, भवानीगंज सिद्धार्थनगर, दिनेश चन्द्र उपाध्याय निवासी देववरा, पोपीपरी, सराय ममरेज, प्रयागराज और उनकी सेक्रेटरी प्रीती मौर्य उर्फ रोली मौर्य निवासी बगही खास, चांद पट्टी, रौनापुर होटल ग्लोरी में ठहरे हुए हैं। उन्होंने अपने आप को रेडियम पॉवर कंपनी में वैज्ञानिक बताकर उनसे एक तांबे का लोटा दिखाया और बताया कि यह रेडियम पॉवर का है। जिसकी कीमत कई सौ करोड़ रुपये है। इन तीनों ने इनसे दो लाख रुपये ले लिए।

जिसमें 60 हजार दिनेश चन्द्र उपाध्याय के खाते में लिया और 1. 40 लाख रुपये नगद लिए। बताया कि इन लोगों ने बताया था कि भदोही में कई अन्य लोग भी आ रहे हैं। जहां आरबीआई के अधिकारी आ रहे हैं। वहीं पर सबका खाता खुलेगा और सबके खाते में 25–25 करोड़ रुपये दिए जाने हैं। बताया यहां आने के बाद उनकी बातों पर शक हुआ। जिसके बाद उन्होंने कोतवाली में सूचना दी। वहां जाने के बाद पुलिस ने तीनों को दो कमरों से गिरफ्तार कर लिया। पू पुलिस ने उन सब के पास से अलगदृअलग नंबर के दो पैन कार्ड व अलग–अलग नंबर के दो आधार कार्ड व एक प्लास्टिक की पन्नी में विभिन्न नाम की 16 मोहर प्लास्टिक की एक इंकपैड बरामद किया।

जघन्य अपराधों में क्राइम सीन को तत्काल करना होगा सुरक्षित, एसओपी को लेकर डीजीपी ने दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। डीजीपी राजीव कृष्ण ने क्राइम सीन मैनेजमेंट और फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है, जिसमें खासकर हत्या, बलात्कार, पाक्सो आदि अपराध में क्राइम सीन को तत्काल सुरक्षित कर फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने के दिशा–निर्देश दिए गए हैं। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 176(3) के क्रियान्वयन के लिए तकनीकी सेवा शाखा के निर्देशन में राजधानी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला ने इसे तैयार किया है। बता दें कि एसओपी में पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियां भी तय की गई है। डीजीपी ने इसका सख्ती से पालन करने और इसमें लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एसओपी के मुताबिक, ऐसे सभी अपराधों जिनमें सात साल से अधिक सजा का प्रावधान है, मुकदमा दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी यह सुनिश्चित करेंगे कि फोरेंसिक विशेषज्ञ अपराध स्थल का निरीक्षण करें और साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाए। खासकर गंभीर अपराध, यौन अप राध, आतंकवाद, एनडीपीएस, हत्या, पाक्सो आदि के प्रकरणों में इस बाबत खास सावधानी बरतते हुए कार्य करना होगा। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि घटनास्थल पर पहुंचने वाली फोरेंसिक टीम के पास सभी आवश्यक उपकरण होने चाहिए।

घटनास्थल पर केवल एक प्रवेश और निकासी मार्ग होना चाहिए। मीडिया, रिश्तेदार, स्थानीय लोगों को घटनास्थल से दूर रखा जाए। कोई भी वस्तु बिना छुए निरीक्षण किया जाए। इसी तरह डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को संकलित करने के लिए भी स्पष्ट दिशा निर्देश दिए गए हैं, जिसमें मोबाइल स्विच ऑन होने पर उसी स्थिति में छोड़ने, स्विच ऑफ होने पर ऑन नहीं करने, एयरप्लेन मोड न लगाने, इस्तेमाल करने वाले मोबाइल लॉक हटवाने को कहा गया है। इसी तरह कंप्यूटर में किसी प्रोग्राम को बंद नहीं करने, स्क्रीन की स्थिति और खुले एप्लीकेशन की फोटो लेने, हार्ड डिस्क को सीधे न निकालने को कहा गया है। इसके अलावा सभी साक्ष्यों को 24 घंटे के भीतर ई–साक्ष्य पोर्टल या सीसीटीएनएस पर अपलोड करने का निर्देश भी दिया गया है।

प्रदेश को बचाने के लिए भाजपा को हराना जरूरी, कहा– भाषा उत्थान में मुलायम सिंह का था योगदान

लखनऊ, संवाददाता। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा को हराकर यूपी को बचाना है। इस सरकार में हर विभाग, हर कार्य में भ्रष्टाचार है। वह रविवार को सपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा भूमाफिया पार्टी है। भाजपा के नेता सरकारी जमीनों, तालाबों और गरीबों की भूमि पर कब्जा कर रहे हैं। गरीबों को न्याय नहीं मिल रहा है। सरकार की गलत नीतियों से किसान, नौजवान, महिलाएं, व्यापारी सभी परेशान हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा, भाजपा चुनाव में वोट चोरी की कोशिश कर सकती है। इससे सावधान रहना है। वहीं, हिंदी दिवस पर हुए कार्यक्रम में अखिलेश ने कहा कि विश्व की समृद्ध भाषाओं में हिंदी का प्रमुख स्थान है। उन्होंने याद दिलाया कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने भारतीय भाषाओं के विकास के लिए बहुत काम किया।

अंग्रेजी पर निर्भरता कम की। प्रचार, प्रसार और सरकारी कामकाज में हिंदी को बढ़ावा दिया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. राममनोहर लोहिया भी हिंदी भाषा के पक्षधर थे। इस अवसर पर सपा अध्यक्ष ने पूर्व सांसद एवं प्रख्यात कवि उदय प्रताप सिंह का शाल ओढ़ाकर सम्मान किया। मेधावियों को दिया लैपटांप लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को मेधावी उजमा बानो तथा शैलेश सिंह चौहान को लैपटॉप दिया। उन्हें खूब पढ़ाई करने और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। लखनऊ निवासी उजमा बानो आईटी पीजी कॉलेज लखनऊ में एमएससी में टॉपर है और यूजीसी नेट जेआरएफ परीक्षा में 99.33 प्रतिशत अंक हासिल किया है। जबकि बलिया निवासी सुरेन्द्र सिंह चौहान राजकीय पॉलिटेक्निक लखनऊ से सिविल इंजीनियरिंग ट्रेड में प्रथम टॉप रैंक हासिल की है।

फांसी लगाकर दी जान– गांव में छाया मातम

गोरखपुर, संवाददाता। खजनी थाना क्षेत्र के रामपुर मलौली गांव में एक हृदयविदारक घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया। सागर श्रीवास्तव उर्फ गोलू (28 वर्ष), पुत्र स्वर्गीय शंभूलाल, ने कर्ज के भारी बोझ और मानसिक तनाव के चलते शनिवार देर रात अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया, और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। सागर ने कुछ समय पहले इंटर–कास्ट विवाह किया था और अपने ससुराल में रह रहा था। लेकिन पारिवारिक और सामाजिक विरोध के साथ–साथ आर्थिक तंगी ने उसे मानसिक रूप से तोड़ दिया। हाल ही में वह अपने पैतृक गांव लौटा था, मगर जिंदगी की जंग हारकर उसने यह दुखद कदम उठा लिया।

सूचना मिलते ही महुआडाबर चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, लेकिन पुलिस परिजनों और रिश्तेदारों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी है। चौकी प्रभारी अभिषेक सिंह ने बताया, "हम हर कोण से मामले की जांच कर रहे हैं। यह समझने की कोशिश की जा रही है कि सागर ने यह कदम क्यों उठाया।" बहरहाल मामला कर्ज के बोझ तले दबे होने से आत्महत्या का कारण सामने आ रहा है।

स्थानीय लोगो के अनुसार सागर स्वभाव से शांत और मिलनसार था, लेकिन हाल के महीनों में वह गहरे अवसाद में था। इंटर–कास्ट विवाह के बाद उसे सामाजिक बहिष्कार और परिवारिक तनाव का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, उस पर भारी कर्ज था, जिसकी किश्तें चुकाने में वह असमर्थ था। लगातार बढ़ती परेशानियों ने उसे इतना कमजोर कर दिया कि उसने जीवन को अलविदा कह दिया। सागर के परिजनों का कहना है कि वह परिवार के प्रति जिम्मेदार और मेहनती था, लेकिन परिस्थितियों ने उसे इस हद तक ले जाया कि वह टूट गया।

निर्माणाधीन मकान की छत पर हाईटेंशन तार की चपेट में आई छात्रा...मां के सामने तोड़ा दम

गोरखपुर, संवाददाता। गुलरिहा थाना क्षेत्र के मोगलहा में रविवार की दोपहर 12वीं की छात्रा अपने निर्माणाधीन मकान की छत पर हाईटेंशन की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गई। मां के सामने बेटी की करंट की चपेट में आने से तड़प–तड़पकर कर मौत हो गई। सूचना पर पुलिस पहुंची ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के राजी सेमरा नंबर दो निवासिनी शशिबाला मौर्या पत्नी स्व विजय मौर्या सरकारी विद्यालय में अध्यापिका हैं। शशिबाला क्षेत्र के मोगलहा स्थित जेमिनी पैराडाइज अपार्टमेंट के सामने एक मकान खरीदकर प्लास्टर का काम करवा रही थीं। रविवार की दोपहर 18 वर्षीय बेटी साक्षी उर्फ प्रज्ञा के साथ मकान का काम देखने गई थीं। बताया जा रहा है कि मकान की दूसरी मंजिल के चार फीट ऊपर से हाईटेंशन का तार गया है। साक्षी छत के ऊपर काम देखने गई थी और हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गई। इससे वह बुरी तरह झुलस गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। साक्षी मोगलहा स्थित सेंट पॉल स्कूल में कक्षा 12वीं की छात्रा थी। पति के बाद अब बेटी की भी मौत हो जाने से शशिबाला रो–रोकर बेहाल हैं। वह बार–बार बेहोश हो जा रही हैं। प्रभारी निरीक्षक गुलरिहा विजय प्रताप सिंह ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

छुट्टी के दिन काम देखने गए थे

शशिबाला मौर्य ने बताया कि मोगलहा में एक नया घर बन रहा है। रविवार को सबकी छुट्टी थी। इसलिए बच्चों के साथ निर्माण का काम देखने गई थी। दोनों बच्चे बहुत खुश थे। घर जाकर मैं ग्राउंड फ्लोर पर काम देख रही थी। तभी साक्षी छत देखने चली गई। दूसरी मंजिल की छत से वह नीचे झांक रही थी। घर के सामने से गए बिजली के खुले तार के टच में आकर वह तड़पने लगी। साक्षी को तड़पते देख सड़क से जा रहे लोग चिल्लाने लगे। शोर सुनकर मैं भी छत की तरफ दौड़कर गई। आसपास के लोगों ने प्लास्टिक के पाइप से मारकर साक्षी को बिजली के तार से अलग किया।

श्री राम चिकित्सालय मे पार्किंग बनने के चलते रामनगरी की सुरक्षा राम के भरोसे

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामलला की नगरी अयोध्या, जहां सुरक्षा को लेकर केंद्र से लेकर प्रदेश सरकार तक हमेशा अलर्ट मोड में दिखाई देती है, वहां आजकल सुरक्षा की एक ऐसी चूक सामने आई है जिसने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है।श्री राम जन्मभूमि मंदिर से सटी हुई दीवार पर बना श्रीराम संयुक्त अस्पताल इन दिनों सुरक्षा के बजाय लापरवाही का गढ़ बनता जा रहा है।अस्पताल की ओपीडी में जहां रोजाना सिर्फ 300–400 मरीज इलाज कराने आते हैं, वहीं अस्पताल परिसर में रोजाना हजारों दोपहिया चार पहिया वाहन खड़े मिलते हैं। सवाल यह उठता है कि जब इतने कम मरीज आते हैं तो फिर इतनी बड़ी संख्या में गाड़ियाँ अस्पताल के पीछे किसकी अनुमति से पार्क हो रही हैं? स्थानीय सूत्र बताते हैं कि अस्पताल में इलाज कराने की आड़ लेकर कई लोग सीधे पार्किंग का इस्तेमाल करते हैं। वहीं, सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे सैनिक कल्याण निगम के भूतपूर्व सैनिक इस पूरे मामले में अनदेखी करते नजर आते हैं। अगर कल को इस पार्किंग की आड़ में कोई असामाजिक तत्व घुसपैठ कर जाता है तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या अस्पताल प्रशासन? क्या मंदिर ट्रस्ट? या फिर सुरक्षा में तैनात एजेंसियां?चौकाने वाली बात यह है कि हर तीन महीने में सुरक्षा समीक्षा के नाम पर ऊंचे–ऊंचे दावे किए जाते हैं। अफसर बैठकों में सुरक्षा का खाका खींचते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत यही है कि मंदिर की दीवार से सटा अस्पताल श्सुरक्षा की सबसे बड़ी सेंधश बना हुआ है। यह स्थिति राममंदिर जैसे हाई प्रोफाइल और संवेदनशील स्थल के ठीक पास है, जहां हर इंच की सुरक्षा का दावा किया जाता है।अयोध्या की सुरक्षा पर यह चूक गंभीर सवाल खड़े करती है।प्रशासन इस पर आंखें मूंदे रहेगा।क्या सुरक्षा समीक्षा बैठकें सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई हैं।और सबसे अहम अगर कोई अप्रिय घटना घटी, तो जिम्मेदारी कौन लेगा।यह मामला केवल अस्पताल और मंदिर तक सीमित नहीं है,बल्कि यह रामनगरी की समग्र सुरक्षा व्यवस्था की साख पर भी चोट करता है।

समिति के संस्थापक रमेश चंद्र श्रीवास्तव व कृषि निदेशक डॉ अश्वनी कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

अयोध्या।रविवार को मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति के 45 वर्षीय इतिहास में आज का दिन स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया।संस्था ने पहली बार अंबेडकर नगर के 50 किसानों और 20 कृषि अधिकारियों को लेकर मिलेट्स प्रोसेसिंग एवं उत्पादन पर विशेष 5 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए पंतनगर कृ

षि विश्वविद्यालय की यात्रा का शुभारंभ किया।यह पहल न केवल किसानों और अधिकारियों को नई तकनीक से जोड़ने की दिशा में मील का पत्थर है। बल्कि अंबेडकर नगर जनपद को देश के अग्रणी कृषि अनुसंधान केंद्र से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ने का एक गौरवपूर्ण अवसर भी है।इस मौके पर समिति के संस्थापक रमेश चंद्र श्रीवास्तव व उप कृषि निदेशक अम्बेडकर नगर डॉ. अश्वनी कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया और प्रतिभागियों को नई संभावनाओं के द्वार खोलने का संदेश दिया।इस मौके पर निदेशक (स्किल डेवलपमेंट) सत्य देव श्रीवास्तव और निदेशक (शिक्षा)आशीष श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे, जिन्होंने किसानों और कृषि अधि।कारियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों से लाभान्वित होने का आह्वान किया।इस मौके पर वर्षा श्रीवास्तव ने इस प्रोजेक्ट को लगातार फॉलो–अप करने और इसे सफलतापूर्वक पूरा कराने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इनके अलावा सुरेश चंद्र श्रीवास्तव और प्रदीप श्रीवास्तव का इस परियोजना को साकार करने मे विशेष योगदान रहा।

पुलिस की निष्क्रियता से रामनगरी में गज की तस्करी जोरों पर

अयोध्या। कोतवाली नगर,थाना कैंट व कोतवाली अयोध्या क्षेत्र में अवैध रूप से गाजें की बिक्री जोर शोर से तेजी से हो रही है।जिसे इन थाना क्षेत्रों के प्रमुख चौराहों,मार्गो यहां तक कि कई पुलिस चौकिया के समीप हो रही है।यह कारोबार रात तो छोड़िए दिन दहाड़े भी होते हुए दिखाई दे रही है।वहां के दबे जुबान स्थानीय लोगों का भी मानना है कि इस अवैध कारोबार में स्थानीय पुलिस कर्मियों की भी मिली भगत है।देखा जाए तो कोतवाली नगर क्षेत्र के खवासपुरा,गुदरी बाजार, रीडगंज,हैदरगंज,दिल्ली दरवाजा, जनौरा, वजीरगंज, फतेहगंज के अलावा थाना कैंट क्षेत्र के रेतिया,सहादतगंज,मछली मंडी के साथ–साथ अयोध्या कोतवाली क्षेत्र में दर्शननगर सहनवा,हल्कारा का पुरवा, मोहबरा बाजार सहित कई प्रमुख स्थान पर अवैध रूप से गाजें की तस्करी की जा रही है।परंतु इसको रोकने में संबंधित पुलिस के थानाध्यक्ष,चौकी प्रभारी व अन्य पुलिसकर्मी दिलचस्पी लेते हुए नहीं दिखाई दे रहे हैं।यह अवैध कारोबार बड़े जोर–शोर से चल रहा है।यहां तक कि यह अवैध कारोबार दर्शन नगर के अलावा अन्य कहीं क्षेत्रों में जहां पर प्राइमरी स्कूल या अन्य स्कूल स्थित है वहां पर भी बिना किसी डर के चल रहा है। जिसके चलते कम उम्र में ही बच्चों की लत इससे लग रही है और उनका भविष्य भी खराब होता नजर आ रहा है।परंतु इस गंभीर समस्या पर स्थानीय पुलिस अंकुश लगाने में असमर्थ दिखाई दे रही है।जिसके चलते इस अवैध कारोबार पर स्थानीय लोगों ने कई बार पुलिस को मौखिक सूचना भी दिया लेकिन इसे रोकने में संबंधित पुलिसकर्मी कोई जहमत नहीं उठा।परिणाम स्वरूप यहां के स्थानीय लोगों में इस अवैध कारोबार के चलते पुलिस कर्मियों पर काफी आक्रोश दिखाई दे रहा है।

'किशोर स्वास्थ्य मंच का हुआ आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली(हरदोई)' राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत पाली नगर स्थित सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में किशोर स्वास्थ्य मंच का आयोजन किया गया। पाली पीएचसी से आई स्वास्थ्य टीम के प्रभारी डॉ अजीमुद्दीन ने बताया कि किशोर स्वास्थ्य मंच के आयोजन का मुख्य उद्देश्य किशोरों को उनके स्वास्थ्य और उनके कल्याण के बारे में जागरूक करना है। कार्यक्रम में विद्यालय की किशोरियों ने काफी संख्या में भाग लिया। उनमें से लगभग 50 प्रतिशत किशोरियों का बजन कर उनकी लम्बाई को नापने के साथ –साथ सभी किशोरियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। डॉ रघुनाथ ने कहा कि बच्चियों को किशोरावस्था में माता– पिता को उन पर विशेष ध्यान देना चाहिए. उनके लिए पोषण की सामग्री तथा उनको उनके भविष्य के बारे में सचेत करना चाहिए। किशोर स्वास्थ्य मंच के अंतर्गत 05 छात्राओं के मध्य किशोरियों महिलाओं में बढ़ रही एनीमिया के प्रति सजगता को लेकर चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया साथ ही एनीमिया को सही करने के लिए आयरन की गोलियों का वितरण किया गया। चार्ट प्रतियोगिता में प्रथम,द्वितीय, व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को स्वास्थ्य टीम द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कृत छात्राओं में 12 । की छात्रा फिजा ने प्रथम, 11। की छात्रा शीतल यादव ने द्वितीय एवं सारिया खान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अपनी मांगों को लेकर उ.प्र.जू.हा.पू.मा. शिक्षक संघ के पदाधिकारी ने सौपा ज्ञापन

अयोध्या। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ऐसे सेवारत शिक्षक जिनकी सेवा 5 वर्ष से अधिक शेष है।उन्हें टीईटी अनिवार्य कर दिया गया है उनको

सेवा में बने रहने के लिए अधिकतम दो वर्षों में टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। उसको लेकर सोमवार को उ.प्र.जू.हा.पू.मा.शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने के माध्यम से प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री वी प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौपा।संघ के जिला अध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव व महामंत्री अशोक कुमार जायसवाल ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि आरटीई एक्ट 2009 में लाया गया तथा 23 अगस्त 2010 में इसकी गाइड लाइन जारी की गयी।29 जुलाई 2011से उत्तर प्रदेश में यह लागू हुआ।जिसमे यह कहा गया था कि 29 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को इस व्यवस्था इससे मुक्त रखा जायेगा परन्तु एक बार फिर समस्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य कर दिया गया।लेकिन इसके दायरे में आने वाले प्रभावित शिक्षकों को किसी प्रकार की नोटिस या सूचना प्रदान नही की गयी।ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि मुकदमे में केवल महाराष्ट्र एवं तमिलनाडु सरकार ही पक्षकार थी। जबकि उत्तर प्रदेश सहित अन्य प्रदेश पार्टी ही नही थे। न्यायाधीशों की पीठ द्वारा धारा 142 की विशिष्ट शक्तियों का प्रयोग करते हुए देश व्यापी निर्णय दिया गया जिसके कारण देश के लाखों लाख शिक्षकों सहित उत्तर प्रदेश के लाखों शिक्षक परिवारों के सामने आजीविका का संकट उत्पन्न हो गया है।जिसके चलते पूर्व नियुक्त उत्तर प्रदेश के लाखों लाख शिक्षक परिवार भुखमरी की कगार पर होंगे। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि उन्हें इससे मुक्त किया जाए। जिससे लाखों शिक्षकों का तथा उनके परिवार का भरण पोषण हो सके।

भारत विकास परिषद शौर्य अपने कार्यो से कर रही राष्ट्र सेवा का कार्य : एसपी सिटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत विकास परिषद शौर्य के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय के नेतृत्व में नगर के प्रतिष्ठित सभागार में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके प्रथम चरण में गुरु–शिष्य परम्परा को बढ़ाने के उद्देश्य से संस्था द्वारा विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, अध्यापक और विद्यालय के विशिष्ट छात्र को सम्मानित करने का कार्य किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता और स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्पण तथा दीप प्रज्जवलन से किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम गीत गाया गया। अमूल मौर्या ने शिव ताण्डव नृत्य करके उपस्थित लोगों का मनमोह लिया। संस्था के सचिव अवधेश गिरी के संचालन में क्रमशरू विद्यालय के प्रधानाचार्य और छात्रों का नाम बुलाकर उन्हें सम्मानित करने का कार्यक्रम किया गया जिसमें छात्र ने अपने गुरु को तिलक लगाकर उनका माल्यार्पण किया और गुरुजन और छात्र दोनों को मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. संदीप पाण्डेय ने अपने स्वागत उद्घोधन में सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि संस्था आज विगत तीन वर्षों से निरंतर राष्ट्रीय और सांस्कृतिक चेतना जगाने के उद्देश्य से कार्य कर रही है, जिसमें छात्रों का व्यक्तित्व परिवर्तन एक प्रमुख उद्देश्य है। मुख्य

अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व सदस्य उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग डॉ. आरएन त्रिपाठी ने अपने उद्घबोधन में सबसे पहले संस्थापक डॉ. संदीप पाण्डेय को ऐसे संगठन का निर्माण करने के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सबसे पहला धर्म चरित्र निर्माण होना चाहिए और ज्ञान के समान इस धरती पर न कुछ पवित्र है और न ही ज्ञान के समान कुछ कीमती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूनम सिंह ने गुरु और छात्र के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में बच्चों के रचनात्मक विकास हेतु एक भव्य राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम शाखा प्रबंधक जयशंकर सिंह द्वारा प्रतियोगिता के नियम बताए गए। इस प्रतियोगिता में मां दुर्गा सीनियर सेकेंड्री स्कूल जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान डीबीएस इंटर कॉलेज रामदयालगंज जौनपुर तथा तृतीय स्थान महावीर कान्वेंट स्कूल नखास जौनपुर ने जीता। इस संगीतमय प्रतियोगिता का निर्णय काशी से आए पं. आशीष मिश्र (एम्यूज), जौनपुर के घरानेदार संगीतकार पं. सूर्यप्रकाश मिश्र तथा संगीत शिक्षक प्रज्ञा मिश्रा ने किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस अधीक्षक नगर (आईपीएस) आयुष श्रीवास्तव ने शौर्य के कार्यक्रमों के सराहना की। बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रतिस्पर्धा में जो छात्र जीत रहे हैं उनको शुभकामनाएं लेकिन प्रतिस्पर्धा व्यक्ति को सदैव अपने आप से करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप आज जो प्रदर्शन करेंगे उसकी तुलना में आपका अगला प्रदर्शन और अच्छा होना चाहिए।

डॉक्टर के पास थी ये डिग्री, और खुद को बताता था सर्जन- मैनेजर संग गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र स्थित डिसेंट हॉस्पिटल में 1.20 करोड़ रुपये की इंश्योरेंस ठगी के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को आयुष डॉक्टर अफजल अंसारी और अस्पताल के मैनेजर ताहिर खान को गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया। ताहिर खान अस्पताल संचालक गेंहुआसागर निवासी शमशुल कमर का छोटा भाई है। वहीं गिरफ्तार डॉक्टर खुद को सर्जन बताते हुए बीमा क्लेम की फाइलों पर हस्ताक्षर करता था जबकि उसके पास आयुष की डिग्री है। इससे पहले बुधवार को पुलिस ने डिसेंट अस्पताल के संचालकों गेंहुआसागर निवासी शमशुल कमर और कोतवाली के मेवातीपुर निवासी प्रवीण त्रिपाठी को जेल भिजवा दिया था। मामले की विवेचना कर रहे एसओ रामगढ़ताल थाना नितिन रघुनाथ श्रीवास्तव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी डॉ. अफजल अंसारी

गगहा के नर्रे बुजुर्ग का रहने वाला है। उसके पास केवल आयुष की डिग्री थी लेकिन वह खुद को एमबीबीएस सर्जन बताता था। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला कि अस्पताल में भर्ती दिखाए गए फर्जी मरीजों की फाइलों पर वहीं हस्ताक्षर करता था। इन हस्ताक्षरों के आधार पर बीमा कंपनियों से क्लेम पास होते थे। पुलिस के मुताबिक, डॉक्टर अफजल अंसारी लंबे समय से इस फर्जीवाड़े में शामिल था। वह बीमा एजेंटों और अस्पताल प्रबंधन से मिलीभगत कर लाखों रुपये का हेरफेर कर रहा था। नौ सितंबर 2025 को बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस कंपनी के अधिकारियों ने गोरखपुर पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि डिसेंट हॉस्पिटल और एपेक्स हॉस्पिटल में फर्जी मरीज भर्ती कराकर क्लेम की रकम निकाली जा रही है। जांच में सामने आया कि बीमाधारकों के फर्जी दस्तावेज बनाए गए। फिर उनके बैंक खाते खुलवाकर क्लेम के एक करोड़ 80 लाख 672 रुपये निकाल लिए गए। बीमा कंपनी के अधिकारियों की जांच में पता चला कि जिस एपेक्स हॉस्पिटल में मरीजों को भर्ती दिखाया गया था, वह अस्तित्व में ही नहीं है। वहीं डिसेंट हॉस्पिटल के रिकॉर्ड में भी कई संदिग्ध फाइलें मिलीं। इस पूरे खेल में अस्पताल का मैनेजर ताहिर खान भी बराबर का भागीदार निकला। जांच में पुलिस को पता चला ।

पर्चे पर दवा नहीं अपना कमीशन लिख रहे डॉक्टर साहब

पीलीभीत, (संवाददाता)। जिला अस्पताल के चिकित्सकों का बाहर प्राइवेट मेडिकल स्टोर संचालकों से सांठगांठ का रिश्ता दिन की रोशनी में खुले आम जोरों से चल रहा है। जो दवाएं अस्पताल में नहीं मिलती उन दवाओं की अस्पताल फार्मेसी में डिमांड भेजने की बजाए चिकित्सक दूर दराज से आने वाले मरीजों को बाहर के मेडिकल स्टोरों का रास्ता दिखा रहे हैं। इतना ही नहीं चिकित्सक की मोहर लगी पर्ची जब मेडिकल पर पहुंचती है, तब कमीशन तय होने का खेल शुरू हो जाता है। जीरो टॉलरेंस का दावा करने वाली सरकार में जिला अस्पताल के चिकित्सकों की कमीशनखोरी रुकने का नाम नहीं ले रही है। जिला अस्पताल में नियमित दो हजार मरीजों से ज्यादा की ओपीडी रहती है। शुक्रवार को मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की पड़ताल की गई तो हकीकत सामने आई। देखने को मिला कि जिला अस्पताल में आने वाले अधिकांश मरीजों को परामर्श के दौरान चिकित्सक द्वारा पर्चे पर करीब पांच प्रकार की दवाओं में दो बाहर मेडिकल की लिख रहे हैं। बाकायदा मरीजों को जल्दी ठीक होने का भरोसा देकर बाहर के मेडिकल स्टोर से खरीदने पर मजबूर किया जा रहा है। अब कमीशन को पुष्ट करने के लिए पर्चे पर चिकित्सक की विभागीय मोहर भी लगी होती है, जिससे मेडिकल स्टोर संचालक चिकित्सक के पर्चे का अंदाजा लगा सके। पर्चे में चिकित्सक की विभागीय मोहर लगी होने के कारण बाहरी प्राइवेट मेडिकलों में चिकित्सक का नाम नोट हो जाता है। इसके बाद मरीज को भी कुछ कम कीमत में दवा उपलब्ध कराई जा रही है। यह खेल लंबे समय से चलता आ रहा है लेकिन कभी जिम्मेदारों ने इसको संज्ञान लेना तक उचित नहीं समझा। मरीजों को कम दामों में दवा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का संचालन कराया जा रहा है, लेकिन यहां भी खेल निकलकर सामने आया। जन औषधि केंद्र के पास में ही एक भारतीय औषधि केंद्र का बोर्ड रखा गया है। मरीजों से जानकारी करने पर पता चला कि बोर्ड के पास से ही एक अघोषित गली में इसका संचालन किया जा रहा है। बाकायदा बोर्ड में गली में जाने का रास्ता भी दर्शाया गया है।

छात्रों को फैशन डिजाइनिंग, नर्सिंग, पार्लर कम्प्यूटर कोर्स, प्लेस मेंन्ट कोर्स आदि के बारे में जानकारी दी गई

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज सनातन धर्म इण्टर कालेज हरदोई में निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय उ प्र लखनऊ के निर्देश क्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय हरदोई के काउंसलर आलोक श्रीवास्तव,सची दीक्षित, तथा वरिष्ठ सहायक श्रवण कुमार गुप्ता द्वारा कक्षा 11 व 12 के छात्रों को फैशन डिजाइनिंग, नर्सिंग, पार्लर कम्प्यूटर कोर्स, प्लेस मेंन्ट कोर्स आदि के बारे में जानकारी दी तथा छात्रों की जिज्ञासा का हल किया वरिष्ठ प्रवक्ता राजबीर सिंह ने कहा कि आप लोगों को लक्ष्य बनाकर

आगे बढ़ना है कहा जाता है कि लक्ष्य न ओझल होने पाएं कदम बढ़ाकर चल , सफलता जरूर मिलेगी आज नहीं तो कल , भविष्य में क्या बनना चाहते हैं अभी उद्देश्य बना लें इन लोगों से जानकारी ले इस अवसर पर सर्वेश शुक्ल, हंसराज कुशवाहा, आदि मौजूद रहे लगभग 78 छात्र काउंसिलिंग में उपस्थित रहे।

श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का 46 वां भव्य पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर जनपद की समस्त मां दुर्गा पूजा समितियों की केंद्रीय कमेटी श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर का 46 वां पुरस्कार वितरण मां के जयकारे के साथ मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह वरिष्ठ भाजपा नेता, सारस्वत अतिथि डा. आर एन त्रिपाठी, पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि डा राम सूरत मौर्य की गरिमामय उपस्थित एवं अध्यक्ष मनीष देवश्मंगलश की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

आयोजन के प्रथम चरण में मां भगवती की प्रतिमा पर पुजन अर्चन कर दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ तदुपरांत मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण एवं अन्य मंचासीन अतिथिगण को माल्यार्पण अध्यक्ष व अन्य सम्मनित सदस्यों द्वारा किया गया। इसी क्रम में महासचिव मनीष गुप्ता ने सभागार में उपस्थित मंचासीन अतिथियों, पूजन समितियों, लंगर समिति, सामाजिक संगठन एवं उपस्थित जन समुदाय का वाणी के माध्यम से स्वागत व अभिन्नदन किया। इस मौके पर जनपद के अन्तर्राष्ट्रीय भजन गायक रविन्द्र सिंह श्ज्योतिश, अवनीन्द्र तिवारी, कुसुम लता, आशीष पाठक ने देवी गीतों से आयोजनों को भक्तिमय कर दिया। आयोजन की द्वितीय चरण में श्री दुर्गा पूजा महासमिति के निर्णायक मंडल सदस्य विमल, सिंह,डा. अंजना सिंह,नीतू गुप्ता,एम पी मिश्रा, विजय लक्ष्मी यादव, प्रदीप सिंह रिकूं एवं अमित निगम को तथा जनपद की समाजसेवी संगठनों, धार्मिक संगठनों, लंगर समितियां ,विश्व रक्तदान दिवस की पूर्व संध्या पर रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं , मिडिया के बन्धुओं को महासमिति के द्वारा विशिष्ट सम्मान प्रदान कर सम्मानित किया गया। वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में संरक्षक मंडल के इंद्रभान सिंह इंदु, निखिलेश सिंह, संतोष सिंह, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, मोतीलाल यादव, विजय सिंह बागी, ने महासमिति की उपलब्धियां एवं पावन पर्व नवरात्रि दुर्गा पूजा पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में डा. राम सूरत मौर्य ने कहा कि पूजन समितियां पूरे अनुशासन और विधि विधान से माँ की पूजन अनुष्ठान को संपन्न करें शासन एवं जिला प्रशासन से जो भी सहयोग होगा उसके लिए मैं प्रयासरत रहूंगा । इसी क्रम में सारस्वत अतिथि डा. आर एन त्रिपाठी जी, पूर्व सदस्य लोक सेवा आयोग ने मां दुर्गा के पूजन अनुष्ठान व दुर्गा सप्तशती पे बड़ी गहराई से पूजन की महता पे प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मा. ज्ञान प्रकाश सिंह जी ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए महासमिति की संगठनात्मक संरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि शारदीय नवरात्रि की तैयारी में पूर्ण सहयोग रहेगा व सुन्दर व पक्के शक्ति कुण्ड निर्माण के में सहयोग की बात कही । अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में अध्यक्ष मनीष देव ने पूजन समितियां को आश्वासत किया कि जनपद की किसी भी पूजन समिति को पूजन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। मैं दिन–रात आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हूं ।

सम्मान समारोह के अंतिम चरण में वर्ष 2024 के शारदीय नवरात्र में आकर्षक सजावट के लिए पूजन समितियां को सम्मानित किया गया। जिसमें पूजन व पडाल व्यवस्था में प्रथम पुरस्कार महा शक्ति संस्था, गौशाला, द्वितीय पुरस्कार नवयुग संस्था, उर्दू बाजार तृतीय संयुक्त रुप जय मां शीतला दुर्गा पूजा समिति, रसूलाबाद एवं न्यू कादम्बरी संस्था, सिपाह सांत्वना पुरस्कार त्याग संस्था, कोतवाली , तथा पूजन पंडाल झांकी व्यवस्था में प्रथम मां अष्टभूजी संस्था, कन्हईपुर, द्वितीय पुरस्कार नवयुवक धर्म कल्याण समिति,अहियापुर तृतीय पुरस्कार नव युवक संघ, मारवाड़ी धर्मशाला, सांत्वना पुरस्कार सरस्वती बाल ज्ञान संस्था, ढालगर टोला, दैनिक मार्ग सजावट

कैरिकुलम में फेल छात्रों को मिलेगा परीक्षा का मौका

भदोही, (संवाददाता)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रथम सेमेस्टर से लेकर छठवें सेमेस्टर तक के को–कैरिकुलम में फेल छात्रों को परीक्षा कराकर पास होने का मौका विश्वविद्यालय देगा। इसकी परीक्षा 19 और 20 सितंबर को कराई जाएगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन लिया जा रहा है। परीक्षा शुल्क 16 सिंतबर तक जमा किया जाएगा। परीक्षाएं 19 और 20 सितंबर को तीन पाली में कराई जाएगी। प्रथम सेमेस्टर के परीक्षार्थी सुबह 9 बजे से 10:30 बजे तक परीक्षा दे सकेंगे।

पूर्व भाजपा पार्षद की मौत

अयोध्या।शनिवार को पूर्व पार्षद और भाजपा नेता सुरेश सोनकर का निधन हो गया।उन्होंने लखनऊ के डिवाइन हॉस्पिटल मे अंतिम सांस लिया।शनिवार को दोपहर सीने में तेज दर्द होने के बाद उनके परिजनों ने लखनऊ के डिवाइन हॉस्पिटल ले गये।करीब 2 घंटे उपचार के बाद अस्पताल में उनकी मौतहो गई।उनके मृत्यु की खबर मिलने पर शहर मे शोक की लहर दौड़ पडी।

दो समुदायों के बीच विवाद मुकदमा दर्ज

भरतकुंड।पूराकलंदर थाना के पुलिस चौकी भदरसा अन्तर्गत कस्बे में मोटरसाइकिल रिपेयरिंग की दुकान पर मोटरसाइकिल मिस्त्री मोहम्मद आदिल और सूरज पांडेय के बीच विवाद हो गया,तथा आदिल के तरफ से अल्तमस और इस्तियाक सहित 4–5 अज्ञात लोग आकर विवाद करने लगे किसी तरह वादी सूरज पांडेय जान बचाकर भाग निकला वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों पक्षों को थाने पर ले गई ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।